हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एक व्यक्ति टॉवर पर चढ़ा

पांच फरवरी को परिवार के लोगों पर फायरिंग हुई थी, जिसमें उसके भतीजे की मौत हो गई थी

भतीजे की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एक व्यक्ति टॉवर पर चढ़ गया।

- मृतक के परिजनों ने 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी, जिसमें से दस की गिरफ्तारी हो गई है, बाकी आरोपियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग की
- देर शाम तक हरिचन्द टॉवर से नहीं उतरा, मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहा है, प्रशासन की समझाइश जारी

भरतपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में मुखर्जी नगर में एक व्यक्ति मर्डर के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बीएसएनएल के टावर पर चढ़ गया। व्यक्ति की मांग है कि डीग के सदर थाना इलाके में पांच फरवरी को उसके परिवार के लोगों पर फायरिंग हुई थी, जिसमें उसके भतीजे की मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों ने 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर डीग जिले में दर्ज करवाई थी, जिसमें से दस की गिरफ्तारी हो गई है। बाकी आरोपियों की भी जल्द ही गिरफ्तारी की जाए। इसके अलावा आरोपी पक्ष उन्हें आये दिन जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। जब इसके बारे में पुलिस से शिकायत की जाती है तो, पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती है।

कोतवाली थाना अधिकारी विनोद मीणा ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति जिंदल हॉस्पिटल के पास बीएसएनएल के टावर पर चढ़ गया है। जिसके बाद जाब्ते के साथ मौके पर आए। व्यक्ति का नाम हरिचंद है, जो खोहरी गांव जिला डीग का रहने वाला है। इनका सदर थाना डीग में हत्या का मामला दर्ज है। हरिचंद की मांग है कि उस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए। व्यक्ति से समझाइश की जा रही है। डीग पुलिस के अधिकारियों से भी व्यक्ति की बात करवाई जा रही है। जिससे व्यक्ति टावर से नीचे उतर सके। देर शाम तक हरिचन्द टॉवर से नहीं उतरा। उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहा है। डीग के एएसपी अखलेश शर्मा भी मौके पर आए और वार्ता की लेकिन समाधान नहीं निकला। मौके पर सीओ पंकज यादव आईपीएस अधिकारी एवं कोतवाल विनोद मीणा, एसडीएम राजीव शर्मा तहसीलदार सहित तमाम अधिकारी समझाइश कर रहे हैं। रात होने पर भी टॉवर से नहीं उतरने से परेशानी बढ़ रही है। हरिचंद देर शाम अंधेरे में भी टॉवर पर चढ़ा हुआ है।

जानकारी के अनुसार ओमप्रकाश पक्ष और हरिचंद पक्ष का जमीन के विवाद को लेकर झगड़ा चल रहा है। 25 जनवरी को ओमप्रकाश और हरिचंद पक्ष का झगड़ा हो गया था। ओमप्रकाश पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने हरिचंद पक्ष के तीन लोग प्रदीप, मोहन, गुलजार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पांच मार्च को तीनों की जमानत हुई। तीनों लोग घर आ रहे थे। इस दौरान ओमप्रकाश पक्ष ने रास्ते में प्रदीप, मोहन और गुलजार पर फायरिंग कर दी। वहां से प्रदीप और गुलजार अपनी जान बचाकर भाग गए और प्रदीप के गोली लगी और वह वहीं गिर गया।

इसके बाद ओमप्रकाश फिर से हरिचंद के घर पहुंचा। ओमप्रकाश पक्ष ने हरिचंद के घर पर फिर से फायरिंग कर दी, जिसमें गौरव और ओमप्रकाश के गोली लग गई। घटना के बाद गौरव, प्रदीप और ओमप्रकाश को आरबीएम अस्पताल लाया गया, जहां ओमप्रकाश की मौत हो गई और प्रदीप, गौरव को जयपुर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद हरिचंद पक्ष ने 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई, जिसमें से पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अब हरिचंद की मांग है कि जल्द से जल्द बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाए।

13 वर्षीय किशोर का खून से लथपथ शव मिला

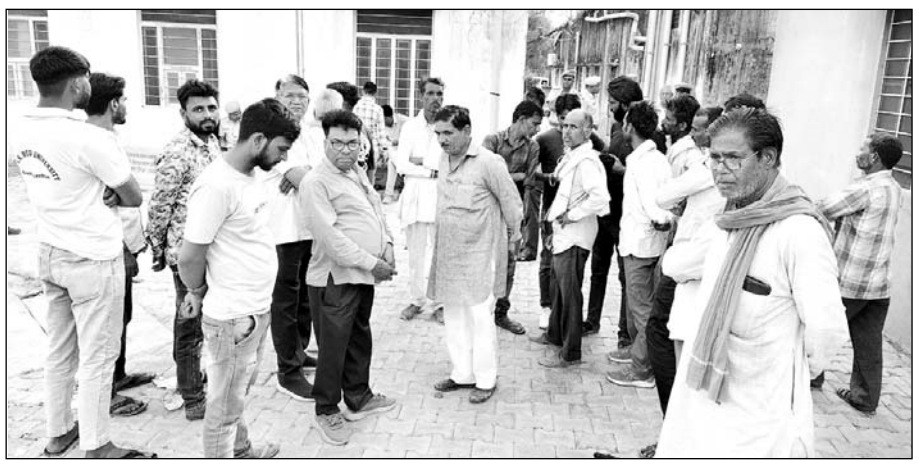

उप जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर जमा लोगों की भीड़।

- मृतक के सिर पर चोट के निशान, प्रथमदृष्टया हत्या की आशंका जताई
- मृतक किशोर कक्षा 9 का छात्र था और घर में सबसे बड़ा था, मृतक की दो बहनें हैं

निवाई, (निसं)। नला रोड पर स्थित कच्ची बस्ती में स्थित एक मकान में 13 वर्षीय किशोर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा व थाना अधिकारी रामजीलाल बैरवा मय जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर एंबुलेंस की सहायता से राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय लाया गया।

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि मृतक की पहचान पंकज पुत्र कमलेश रैगर निवासी लाखनपुर बौंली हाल निवासी कच्ची बस्ती के पास नला रोड के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मौके पर एमयू व एफएसएल टीम को साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया गया है। टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के सिर पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं।

इससे प्रथमदृष्टया में हत्या का मामला दिखाई दे रहा है। मृतक किशोर कक्षा 9 का छात्र था और घर में सबसे बड़ा था। मृतक की दो बहनें हैं। मृतक के पिता कारीगर का काम करते हैं। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई और अस्पताल में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोककर बुरा हाल था, जिन्हें लोग संभाल रहे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आईटीबीपी जवान की पत्नी के खाते से राशि निकाली

- ठगों ने लिंक भेजकर ठगी की, पीड़ित ने ऑनलाइन साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज करवाई

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के डूमोली के एक आईटीबीपी जवान की पत्नी के खाते से 98 हजार रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की ओर से ऑनलाइन साइबर सेल में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई है, लेकिन अभी तक रूपए का कोई समाधान नहीं हो पाया है।

आईटीबीपी में कार्यरत जवान सुबेसिंह ने बताया कि वह वर्तमान में उत्तराखंड में तैनात है। उसके पिता के पास 8 फरवरी को एक अंजान नंबर से फोन आया। इस दौरान उसने अस्पताल में ईंट मंगवाने के लिए कहा तथा रूपए फोन-पे पर डालने की बात कही। जवान का पिता अनपढ़ होने के कारण उसने अपनी पुत्रवधू सरोज को फोन दे दिया। इस दौरान जवान की पत्नी से फोन-पे नंबर लेकर एक लिंक भेजा तो खाते से दो बार में 98 हजार रुपए पार कर दिए। इस दौरान पीड़ित सरोज ने पैसे कट जाने की जानकारी अपने पति को दी तो उसने फोन पर आए नंबर पर काल किया तो वह बंद पाया। जब उसकी जानकारी जुटाई तो अलीगढ़ के एक बैंक खाते में रूपए ट्रांसफर होना पाया। घटना को लेकर सिंघाना थाने में पंहुचे तो साइबर सेल में रिपोर्ट देने की बात कही। जिस पर जवान सुबेसिंह की ओर से ऑनलाइन रिपोर्ट दी गई। पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी के खाते से 98 हजार रुपए निकल जाने की रिपोर्ट देने के बाद भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस दौरान पीड़ित ने पुलिस से मामले में प्रभावी कार्रवाई कर रूपए वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

एडीए के जेईएन की बहाली की मांग, राजपूत समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया

- समाज के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जेईएन के निलंबन को रद्द करने की मांग की।
- अजमेर विकास प्राधिकरण में कर्मचारी भी हुए लामबंद, कार्य बहिष्कार कर विरोध जताया

अजमेर, (कासं)। वैशाली नगर निवासी डॉ. कुलदीप शर्मा के आवास पर एडीए द्वारा की गई कार्यवाही के बाद प्रशासन द्वारा एडीए के जेईएन रघुनंदन सिंह को बर्खास्त कर दिया। निलंबित कनिष्ठ अभियंता रघुनंदन सिंह की बहाली की मांग को लेकर सोमवार को राजपूत समाज सड़कों पर उतर गया। सैकड़ों की संख्या में राजपूत समाज के लोग जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। समाज के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रशासन पर जातिवाद का आरोप लगाते और जेईएन के निलंबन को तत्काल रद्द करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोंक झोंक भी हुई और गुस्साए समाज के युवाओं में बैरिकेडिंग गिरा दिए और मुख्यद्वार के बाहर सांकेतिक धरने पर बैठ गए। वहीं इस मामले में अब अजमेर विकास प्राधिकरण के कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर धरना दिया। राजपूत समाज के नेता रणजीत सिंह व दशरथ सिंह सकराय ने बताया कि 20 मार्च को अजमेर विकास प्राधिकरण का दस्ता पंचशील नगर ए ब्लॉक के भूखंड संख्या ए-57 पर अतिक्रमण हटाने पहुंचा था। यह कार्रवाई उपायुक्त (उत्तर) सूर्यकांत शर्मा के आदेश पर की गई थी। टीम का नेतृत्व तहसीलदार (उत्तर) को करना था, लेकिन वे मौके पर मौजूद नहीं थे। दस्ते ने पाया कि वहां कोई निर्माण सामग्री नहीं थी और न ही पड़ौसी भूखंड ए-56 के स्वामी नितिन दरगड़ वहां मौजूद थे। इसी दौरान पास में रहने वाले डॉ. कुलदीप शर्मा वहां पहुंचे और दस्ते को कार्रवाई से रोकने लगे। जब प्राधिकरण कर्मचारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की तो उन्होंने गाली-गलौच की और राजकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। इस घटना के बाद डॉ. शर्मा ने कथित रूप से डॉक्टर्स एसोसिएशन और ब्राह्मण समाज को गलत जानकारी देकर उनके समर्थन में प्रशासन पर दबाव बनाया। समाज के पदाधिकारी कुलदीप सिंह शेखावत, महावीर सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रशासन ने जातीय दबाव में आकर गलत फैसला लिया और जेईएन रघुनंदन सिंह को निलंबित कर दिया, जबकि उनकी कार्रवाई पूरी तरह से वैध थी। उन्होंने कहा कि जब एडीए ने अपनी रिपोर्ट में कार्यवाही को सही ठहराया है, तो फिर जेईएन का निलंबन क्यों किया गया।

राजपूत समाज के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने जिला कलेक्टर लोक बधु को ज्ञापन में मांग की है कि जेईएन सिंह को तुरंत बहाल किया जाए। साथ ही डॉ. कुलदीप शर्मा ने राजकार्य में बाधा पहुंचाई थी उनके खिलाफ कार्यवाही करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया जाए। राजपूत समाज ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

वहीं अजमेर विकास प्राधिकरण कर्मचारी संघ द्वारा पंचशील नगर स्थित भूखंडा ए 56 पर अतिक्रमण हटाने को लेकर एडीए के कनिष्ठ अभियंता रघुनंदन सिंह चौहान को निलबिंत किए जाने के विरोध में उच्च अधिकारियों को ज्ञापन देकर सामूहिक अवकाश लिए जाने की बात कही है। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष चंपा लाल नागौरा ने बताया कि उच्चाधिकारियों द्वारा आश्वस्त किया गया है कि प्रकरण की संपूर्ण जानकारी सक्षम अधिकारियों की जानकारी में लाई जाएगी। साथ ही दो दिन में उचित कार्यवाही की जाएगी। इस आश्वासन के बाद सामूहिक अवकाश निरस्त कर आधे दिन का अवकाश लेने का निर्णय लिया। साथ ही आने वाले दो दिनों में सकारात्मक कार्यवाही नहीं होने पर आगामी रणनीति तय करने की बात कही है।

बच्चे के अपहरण का प्रयास

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर केसीसी टाउनशीप के न्यू मार्केट के पास रविवार देर शाम को एक बाइक पर सवार होकर आए दो युवकों ने बच्चे को रास्ता पूछने के बहाने बाइक पर बैठा ले गए। बाइक सवार युवकों ने बच्चे को राजीव कॉलोनी के पास रेलवे लाइन पर मारपीट कर छोड़ गए और जाते समय मोबाइल लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना के बाद परिवार दहशत के माहौल में है।

छात्र के पिता अशोक कुमार ने बताया कि उसका लड़का धीरज (11) केवी स्कूल में पांचवी कक्षा में पढ़ता है। रविवार शाम करीब आठ बजे न्यू मार्केट से मोबाइल लेकर सामान लेने गया था। इस दौरान धीरज ने अपने दादा श्योदान को फोन करके कहा कि उसे दो लड़के न्यू मार्केट से जबरदस्ती मुहं बांध कर के बाइक पर बैठा कर गंदे नाले के पास लेकर आ गए, जल्दी से मुझे आकर ले जाओ। फोन आने के बाद अशोक बेटे को लेने पहुंचा तो धीरज घबराया हुआ था और उसने कहा कि दो लड़के बाइक पर आए और उन्होंने सिंघाना का रास्ता पूछने के लिए रोका, जैसे ही उनके पास पहुंचा तो मुहं दबा कर बाइक पर बैठा कर गंदे नाले के पास ले जाकर मारपीट की और धमकी दी की तेरे हाथ की नस काट देंगे।

तांबा वायर, स्क्रैप व बैट्रियां चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश

गैंग की मास्टर माइंड लक्ष्मा बावरिया तथा आरोपी पूरण उर्फ फल्या बावरिया गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। पुलिस ने तांबा वायर, तांबा स्क्रेप वह बैट्री चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर चोरी किया गया माल भी बरामद किया है। आरोपियों से पूछताछ की तो सीकर, डीडवाना कुचामन, रेनवाल, में चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

एसपी आनंद प्रकाश शर्मा ने बताया कि परिवादी शेख मोहम्मद उमर व सांवर मल कुमावत निवासी रेनवाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 17 मार्च की रात्रि को मालावत बैट्री हाउस चौमूं रोड कस्बा रेनवाल में अज्ञात चोर दुकान का शटर तोड़कर इन्वर्टर बैट्रीयां, सीसीटीवी डीवीआर मशीन चुराकर ले गये एवं कस्बा रेनवाल के बाग के बालाजी के स्थित गणेश इलेक्ट्रोनिक्स वर्क्स का शटर तोड़कर लगभग एक क्विंटल ताम्बा वायर, ताम्बा स्क्रैप चुराकर ले गये। इस पर थाना रेनवाल पर मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए चोरी की वारदातों का खुलासा करने व अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा नकबजनी की घटना में लिप्त गैंग का खुलासा करते हुए गैंग की मास्टर माइंड लक्ष्मा बावरिया तथा आरोपी पूरण उर्फ फल्या बावरिया को गिरफ्तार किया। घटना में प्रयुक्त वाहन हुण्डई क्रेटा कार व रैकी में प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल को भी जप्त किया गया है। पुलिस टीम द्वारा चुराया गया सामान ताम्बा वायर, ताम्बा स्क्रैप व बैट्रियों को बरामद कर चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी पोमी खटीक को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपिया लक्ष्मा बावरिया के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी नकबजनी के 10 प्रकरण दर्ज हैं। प्रकरण में अन्य शेष आरोपियों की तलाश व अनुसंधान जारी है।

जमीन पर स्टे

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की एक निजी स्कूल को सांगानेर तहसील के दांतली में पांच हजार वर्ग गज जमीन आवंटन के मामले में कब्जे और निर्माण पर यथा-स्थिति के आदेश दिए हैं। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश मैसर्स टेक्नोक्रेट एंड मैनेजर्स प्रा.लि. की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता सुनील समदडिया ने बताया कि याचिकाकर्ता की योजना में सुविधा क्षेत्र के तौर पर स्कूल के लिए जमीन आरक्षित रखी गई थी।

सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत, एक घायल

- मनाली में हुआ हादसा, जयपुर का छात्र घायल हुआ

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र नितीश मेहता की मनाली में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। नितीश कोटपूतली का रहने वाला था।

इस घटना में नितीश का सहपाठी जयपुर निवासी रामसिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। कॉलेज प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार कॉलेज के दस विद्यार्थी अपने स्तर पर घूमने के लिए मनाली गए थे। हालांकि इसकी सूचना कॉलेज प्रशासन को इनके घूमने जाने की जानकारी नहीं थी। इन विद्यार्थियों ने 20 मार्च को हॉस्टल और कॉलेज के गेट रजिस्टर पर घर जाने की एंट्री की थी। इसके बाद सभी मनाली के लिए निकल गए। मनाली में घूमने के लिए उन्होंने बाइक किराए पर ली। इसी में से एक बाइक स्लिप हो गई और इसे चला रहा स्टूडेंट नितीश मेहता करीब 40 फीट गहरी खाई में जा गिरा। नितीश की मौत हो गई जबकि बाइक पर पीछे बैठे राम सिंह की रीढ़ की हड्डी और सिर में चोट आई है। घटना की सूचना मिलने पर परिजन सीधे मनाली पहुंचे। नितीश का शव परिजन कोटपूतली ले गए जबकि रामसिंह का इलाज जयपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। रामसिंह के पिता बाबूलाल ने बताया कि वह घर पर सूचित करके ही मनाली गया था। इधर, कॉलेज प्रशासन को दुर्घटना होने के बाद ही बच्चों के इकट्ठे मनाली जाने की जानकारी मिली। कॉलेज के कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ. ब्रजेश महावर ने बताया कि स्टूडेंट्स ने एंट्री रजिस्टर में छुट्टी पर जाने की बात लिखी थी। दस विद्यार्थी छुट्टी पर गए थे। हालांकि कॉलेज प्रशासन को इस बारे में जानकारी नहीं थी कि स्टूडेंट्स इकट्ठे मनाली घूमने गए हैं।

महासंघ के हजारों कर्मचारी 26 से फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का बहिष्कार करेंगे

पशुपालन विभाग के निर्दोष कर्मचारियों के विरुद्ध की जा रही दमनात्मक कार्यवाहियों का विरोध

- अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने प्रदर्शन कर अति. कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

करौली, (निसं)। पशुपालन विभाग के निर्दोष कर्मचारियों के विरुद्ध की जा रही दमनात्मक कार्यवाहियों के विरोध में सोमवार को अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम का अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापनमें चेतावनी दी है कि यदि निर्दोष कर्मचारियो को न्याय नहीं दिया गया तो 26 मार्च से महासंघ के कर्मचारी फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का बहिष्कार करेंगे।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि विगत कुछ माह से पशुपालन विभाग के कर्मचारियों पर लगातार दमनात्मक कार्यवाही करते हुए 30 से ज्यादा कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के द्वारा सक्षम स्तर पर विरोध दर्ज करवाने के बावजूद आज तक निलंबित कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया। पशुपालन विभाग के शासन सचिव द्वारा मनमाने तरीके से निर्दोष कर्मचारियों के विरुद्ध की जा रही दमनात्मक कार्यवाही के विरोध में 20 मार्च को महासंघ के प्रांतीय कार्यालय मंदिर श्री गोवर्धन नाथ जी चौड़ा रास्ता जयपुर में आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करवाने एवं निर्दोष कर्मचारियों को बहाल करवाने के लिए पशुपालन कर्मचारी संघ के समर्थन में चरणबद्ध आंदोलनात्मक गतिविधियां के तहत सोमवार को धरना प्रर्दान कर ज्ञापन सौंपा गया।

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में 25 मार्च से महासंघ से संबद्ध समस्त कर्मचारी प्रतिदिन विरोधस्वरूप काली पट्टी बांधकर ड्यूटी पर जाएंगे। इसके बाद भी यदि 30 से ज्यादा निलंबित निर्दोष कर्मचारियों को बहाल करते हुए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्यवाही नहीं की गई तो 26 मार्च से फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में समस्त ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा।

महासंघ के महामंत्री महावीर सिहाग ने बताया कि प्रदेश के कर्मचारियों के इतिहास में पहली बार किसी विभाग में इतनी बड़ी संख्या में बिना किसी कारण निर्दोष कर्मचारियों के विरुद्ध इस प्रकार निलंबन जैसी दमनात्मक कार्यवाहियां की गई है। प्रदेश के लाखों कर्मचारी खुद के मोबाइल एवं खुद के पैसे से नेट रिचार्ज करते हुए शासन एवं सरकार का पूरी तल्लीनता से कार्य कर रहे हैं। यहां तक कि गत एक वर्ष में अधिकांश कर्मचारी-अधिकारी राजकीय अवकाश को भी कार्य कर रहे हैं। इसके बावजूद भी किसी विभाग के एक उच्च अधिकारी द्वारा कर्मचारियों व अधिकारियों को काम नहीं करने वाला बताते हुए ऐसी कार्यवाहियां करने के कारण प्रदेश के कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है एवं महासंघ आंदोलन को विवश हुआ है। ऐसे में अब यदि जनता के काम प्रभावित होंगे तो उसकी समस्त जिम्मेदारी शासन एवं सरकार की होगी।

स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आगे बढ़ने की भावना से कार्य करें : राज्यपाल

कोटा में राज्यपाल ने जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर निर्देश दिए।

- राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कोटा में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया
- 'सभी गांवों में सभी परिवारों तक व्यक्तिगत शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए'

कोटा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आगे बढ़ने की भावना से कार्य करें और स्वयं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएं। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल सोमवार को जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संवाद के दौरान राज्य व केंद्र प्रवर्तित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

राजीविका के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं खेती, पशुपालन एवं सब्जी उत्पादन जैसे कार्यों में जुटी हुई हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को गोबर से खाद बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए ताकि खेतों में अधिक से अधिक देशी खाद का उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि राजीविका के तहत महिलाओं को विभिन्न ऋण योजनाओं से लाभान्वित करें और महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऋण योजनाओं का बेहतर उपयोग किया जाए।

राज्यपाल ने योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए इनका लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्यपाल बागड़े ने महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत जॉब कार्ड एवं श्रमिक नियोजन, अमृत सरोवर निर्माण, पशु आश्रय स्थल निर्माण आदि के बारे में जानकारी ली। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी गांवों में सभी परिवारों तक व्यक्तिगत शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने गांवों को पक्के रास्तों से जोड़ने के निर्देश दिए। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि किसानों को मृदा संबंधी जांच के लिए लैब में सैंपल लाने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें अपने खेत की मिट्टी के बारे में अधिक जानकारी होगी और उसके अनुसार फसलों का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना का लाभ उठाने के लिए किसानों एवं आमजन को प्रेरित करने तथा पीएम कुसुम योजना में अधिकतम सौर उर्जा संयत्र स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि किसानों को इसका अधिकाधिक लाभ मिले। उन्होंने किसानों को उनकी फसल को खरीद केन्द्रों पर विक्रय करने के लिए प्रेरित करने, जल जीवन मिशन में सभी गांवों में पेयजल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करते हुए लंबित जल कनेक्शन तय अवधि में पूरे करने के निर्देश दिऐं। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, स्वामित्व योजना, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. अमृता दुहन, ग्रामीण सुजीत शंकर, केडीए आयुक्त ऋषभ मंडल, जिला परिषद सीईओ राजपाल सिंह, एडीएम सीलिंग कृष्णा शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

इससे पहले राज्यपाल का जिला परिषद पहुंचने पर संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत, जिला कलेक्टर डॉ.रविन्द्र गोस्वामी एवं पुलिस अधीक्षक शहर डॉ.अमृता दुहन एवं ग्रामीणी सुजीत शंकर ने स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।